

कठे गया म्हारा कालूराम जी पूछन लागी गली गली



बिन माली कुमलावे बगीचों,
रूदन मचावे कली कली,
कठे गया म्हारा कालूराम जी,
पूछन लागी गली गली।bd।

जन्म भूमि बिखरनीया माई,
परिहारा घर जन्म लियो,
पंडित पोथी बाछ सुनाई,
कालूराम जी नाम मिलीयो,
जीवन भर को साथ निभावे,
भगवती देवी सी नार मिली,
कठे गया म्हारा कालुराम जी,
पूछन लागी गली गली।bd।

आंगन माई फूल खिल्या है,
शुभम्, क्रिश, मोहित खडा,
तीन बहना री जोडी मिलगी,
बाग सरावे सभी जना,
थाकी याद मे नदियाँ बनगी,
दादा म्हारी आँखडली,
कठे गया म्हारा कालुराम जी,
पूछन लागी गली गली।bd।

सब भाया री भुजा टूटगी,
बिछड़ गई जोडी माँ की,
तीनो बहना कुरलावे बीरा,
मुलके बाधा लाराकी,
कुण अब माता लाड लडावे,
कुण ओडासी चुनडली,
कठे गया म्हारा कालुराम जी,
पूछन लागी गली गली।bd।

पोल भी सुनी आंगन सुनो,
जीभा मे कोई चाव नही,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मन का माया रूका छाया,
बड़ा बुढ़ा की बात सही,
यमराज को हुक्म होयो जद,
घर का की ना एक चली,
कटे गया म्हारा कालुराम जी,
पूछन लागी गली गली।bdi

ससुराल मिरगा नेडी मे,
सबका ही थे लाडकडा,
जद भी आता कालू जमाई सा,
सेवा में सब रेता खड़ा,
बहना री सब खुशीयां लुटगी,
कर्म लिखीयोडी नही टली,
कटे गया म्हारा कालुराम जी,
पूछन लागी गली गली।bdi

दादा बिना कलाकार बिलखता,
सारा राजस्थान रा,
आप बिना अब कुछ न भावे,
खान पान सम्मान सा,
सुर सरंगी टूट गई अब,
रेगी आपकी यादडली,
कटे गया म्हारा कालुराम जी,
पूछन लागी गली गली।bdi

आप बिराज्या जा स्वर्गा मे,
याद सतावे घणी घणी,
लिजो सम्भालो टावर आयो,
अरज करे है "मालूनी",
उड गया भंवरा रोती रेगी,
बागा री आ कली कली,
कटे गया म्हारा कालुराम जी,
पूछन लागी गली गली।bdi

बिन माली कुमलावे बगीचों,
रूदन मचावे कली कली,
कटे गया म्हारा कालूराम जी,
पूछन लागी गली गली।bdi

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



प्रभूलिन भजन सम्राट कालूराम जी बिखरनिया को,
भजन डायरी की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।
शत् शत् नमन ?? ओम् शांति ? ओम् ??।

गायक – राजु मेवाड़ी, अर्जुन राणा।
लेखक – रामकुमार जी मालुनि।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818